

अनुक्रमणिका

| क्र. सं. | टॉपिक का नाम |
|----------|--|
| 1. | 42वाँ महाराणा मेवाड़ सम्मान समारोह - 2026 |
| 2. | राजस्थानी कहानी संग्रह 'भरखमा' को 2025 का 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' |
| 3. | राजस्थान जनजातीय गौरव दिवस - 2026 |
| 4. | न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. इंसोलेशन एनर्जी लिमिटेड (INA Solar) को 'मोस्ट ट्रस्टेड ब्रांड ऑफ इंडिया-2026' अवॉर्ड 2. डॉ. श्वेता चौधरी को 'फ्यूचर शेपर - 2026' सम्मान 3. जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड RR की प्रिंसिपल स्पॉन्सर 4. 'DM विद दीदी' पहल 5. राज्य स्तरीय FMD रोग प्रतिरोधक टीकाकरण अभियान 6. 46वाँ ऑल इंडिया रबी सेमिनार : भरतपुर |
| 5. | विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री, 2026 |
| 6. | 98वें अकादमी पुरस्कार, 2026 (98वें ऑस्कर, 2026) |
| 7. | बलिराजगढ़ उत्खनन |
| 8. | संगीत कलानिधि पुरस्कार |
| 9. | नॉरवेस्टर |
| 10. | जनजातीय कला महोत्सव, 2026 |
| 11. | समृद्ध ग्राम फिजीटल सर्विसेज पहल |
| 12. | फुजैराह बंदरगाह |
| 13. | भारतीय क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली (IRNSS) |
| 14. | गुजरात का पहला साउंडिंग रॉकेट परीक्षण |



राजस्थान परिदृश्य



42वाँ महाराणा मेवाड़ सम्मान समारोह - 2026



चर्चा में क्यों?

- महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउंडेशन (MMCF) द्वारा 15 मार्च, 2026 को उदयपुर के सिटी पैलेस में '42वाँ महाराणा मेवाड़ सम्मान समारोह - 2026' आयोजित किया गया।



--2--

Daily Current Affairs

Date : 17 March, 2026



मुख्य बिन्दु:

प्रमुख पुरस्कार एवं विजेता:

| पुरस्कार का नाम | विजेता का नाम | क्षेत्र/विशेष योगदान |
|----------------------------|--------------------------------------|---|
| कर्नल जेम्स टॉड सम्मान | डॉ. मॉली एम्मा एटकिन (USA) | मेवाड़ एवं राजपूत दरबारी चित्रकला की विदुषी |
| हल्दीघाटी राष्ट्रीय सम्मान | कमलेश किशोर सिंह | पत्रकारिता |
| महाराणा उदय सिंह सम्मान | मरिमुथु योगनाथन (ट्री मैन ऑफ इंडिया) | पर्यावरण संरक्षण |
| पन्नाधाय सम्मान | जेट एयरवेज फ्लाइट 9W569 क्रू | मानवीय सेवा (आपातकालीन प्रसव) |
| डागर घराना सम्मान | पं. हरिप्रसाद चौरसिया | संगीत (बाँसुरी वादन) |
| महाराणा कुम्भा सम्मान | तरुण कुमार दाधीच | राजस्थानी साहित्यकार |
| अरावली सम्मान (खेल) | रामरतन जाट व अवनि लेखरा | अल्ट्रा-मैराथन और पैरा-शूटिंग |
| महाराणा मेवाड़ सम्मान | भुवनेश जैन | पत्रकारिता |
| | के. पृथिका याशिनी | भारत की प्रथम महिला ट्रांसजेंडर पुलिस सब-इंस्पेक्टर |
| महाराणा सज्जनसिंह सम्मान | अजय रावत | ललित कला (सैंड आर्ट) |
| राणा पूंजा सम्मान | डिंपल चण्डात | जनजातीय मांडना कला संरक्षण |
| हकीम खां सूर सम्मान | स्क्वाड्रन लीडर रिज़वान मलिक, VRC | राष्ट्र सेवा |

--3--

Daily Current Affairs

Date : 17 March, 2026



अन्य सम्मान:

- **राजेश वैष्णव** : मेवाड़ की 500 वर्ष पुरानी 'जल सांझी' परंपरा के संरक्षण हेतु 'महाराणा मेवाड़ विशेष सम्मान'।
- **महर्षि हारीत राशि सम्मान** : वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे को यजुर्वेद के दुर्लभ पाठ संपादन के लिए।
- **महाराणा अरविंद सिंह मेवाड़ सम्मान** : महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउंडेशन (MMCF) के अध्यक्ष डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ द्वारा स्वर्गीय अरविंद सिंह मेवाड़ की स्मृति में एक नए राष्ट्रीय सम्मान 'महाराणा अरविंद सिंह मेवाड़ सम्मान' शुरू करने की घोषणा की गई। यह पुरस्कार द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुनीत चटवाल को प्रदान किया गया।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

--:4:--

राजस्थानी कहानी संग्रह 'भरखमा' को 2025 का 'साहित्य अकादमी पुरस्कार'

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थानी कहानी संग्रह 'भरखमा' को वर्ष 2025 का साहित्य अकादमी पुरस्कार प्रदान किए जाने की घोषणा की गई।

Rajasthani Short Story Collection 'Bharkhama' Wins the 2025 'Sahitya Akademi Award'



मुख्य बिन्दु:

- लेखक :** राजस्थानी लघु कहानी संग्रह 'भरखमा' के लेखक जयपुर जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी (IAS)।
- निर्णायक मंडल :** इस वर्ष राजस्थानी भाषा के पुरस्कार के लिए चयन समिति में डॉ. दिनेश चारण, मधु आचार्य 'आशावादी' और प्रो. सोहनदान चारण शामिल थे।

--:5:--

Daily Current Affairs

Date : 17 March, 2026



- डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी (IAS) को वर्ष 2016 में उनके कविता संग्रह 'रणखार' के लिए 'साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार' भी मिल चुका है।
 - **कहानी संग्रह भरखमा** : ग्रामीण परिवेश, जीवन के संघर्ष और सांस्कृतिक मूल्यों का एक प्रभावशाली संग्रह है। इस कृति पर राजस्थानी फिल्म भी बन चुकी है।
 - **जितेंद्र कुमार सोनी की अन्य रचनाएँ** : 'चिराग', 'रेगमाल', 'रणखार', 'यादावरी', 'आपणा रूख' और 'म्हारै पांती रा पाना'।
- अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु (साहित्य अकादमी पुरस्कार):**
- साहित्य अकादमी पुरस्कार भारतीय साहित्य जगत में सबसे प्रतिष्ठित सम्मान माना जाता है।
 - हाल ही में 24 भारतीय भाषाओं में वार्षिक साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा की गई। इनमें 8 काव्य संग्रह, 4 उपन्यास, 6 लघुकथा संग्रह, दो निबंध, दो संस्मरण और एक-एक साहित्यिक आलोचना और आत्मकथा को चुना गया।
 - इस सम्मान के तहत लेखक को एक प्रशस्ति पत्र, ताम्रफलक, शॉल और ₹1 लाख की नकद राशि प्रदान की जाती है।
 - वर्ष 2025 के विजेता रचनाकारों को नई दिल्ली में 31 मार्च, 2026 को सम्मानित किया जाएगा।

--:6::--

राजस्थान जनजातीय गौरव दिवस - 2026

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान दिवस समारोह - 2026 के तहत 16 मार्च, 2026 को डूंगरपुर स्थित बेणेश्वर धाम में 'राजस्थान जनजातीय गौरव दिवस' मनाया गया।



मुख्य बिन्दु:

- मुख्यमंत्री द्वारा इस अवसर पर ₹1,902 करोड़ से अधिक की लागत वाली 326 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया।

घोषणाएँ :

- जनजातीय पर्यटन सर्किट : ₹100 करोड़ की लागत से एक नया 'ट्राइबल टूरिज्म सर्किट' विकसित किया जाएगा। इसमें त्रिपुरा सुंदरी मंदिर, मानगढ़ धाम, बेणेश्वर धाम, सीतामाता अभयारण्य, ऋषभदेव, गौतमेश्वर मंदिर और मातृकुंडिया जैसे प्रमुख स्थलों को जोड़ा जाएगा।

--7--

Daily Current Affairs

Date : 17 March, 2026



- **वन अधिकार अभियान** : वन क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को 'वन अधिकार पट्टा' देने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया जाएगा।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

बेणेश्वर धाम:

- प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा को डूंगरपुर में सोम-माही-जाखम नदियों के त्रिवेणी संगम पर बेणेश्वर मेले का आयोजन किया जाता है। इसे भीलों/आदिवासियों/वागड़ का कुंभ/वागड़ का प्रयागराज भी कहा जाता है।
- यहाँ स्थित शिवलिंग विश्व का एकमात्र शिवलिंग है जो पाँच तरफ से खंडित है।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

--8--

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

| क्र. सं. | न्यूज़ |
|----------|---|
| 1. | <p>इंसोलेशन एनर्जी लिमिटेड (INA Solar) को 'मोस्ट ट्रस्टेड ब्रांड ऑफ इंडिया-2026' अवॉर्ड</p> <ul style="list-style-type: none">हाल ही में, राजस्थान की सौर पैनल निर्माता कंपनी इंसोलेशन एनर्जी लिमिटेड (INA Solar) को 'मोस्ट ट्रस्टेड ब्रांड ऑफ इंडिया - 2026' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। |
| 2. | <p>डॉ. श्वेता चौधरी को 'फ्यूचर शेपर - 2026' सम्मान</p> <ul style="list-style-type: none">जयपुर की उद्यमी डॉ. श्वेता चौधरी को 'फ्यूचर शेपर - 2026' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।यह सम्मान उन्हें योरस्टोरी शी-स्पाक्स (YourStory She-Sparks) सम्मेलन 2026 के दौरान दिया गया। डॉ. श्वेता चौधरी 'कोड एजु' (Code Edu) की संस्थापक हैं।उन्हें यह पुरस्कार उनके अभिनव कार्य, नेतृत्व क्षमता और भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है। |
| 3. | <p>जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड RR की प्रिंसिपल स्पॉन्सर</p> <ul style="list-style-type: none">हाल ही में, जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड इंडियन प्रीमियर लीग - 2026 के लिए राजस्थान रॉयल्स (RR) का प्रिंसिपल स्पॉन्सर बना। |
| 4. | <p>'DM विद दीदी' पहल</p> <ul style="list-style-type: none">टोंक की जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल द्वारा शुरू की गई 'DM विद दीदी' पहल महिला सशक्तीकरण और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक अनूठा नवाचार है।इसका प्राथमिक लक्ष्य राजीविका से जुड़े स्वयं सहायता समूहों (SHGs) की महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाना है, यानी उनकी वार्षिक आय को ₹1 लाख से अधिक तक पहुँचाना है।इस पहल के तहत कलेक्टर हर महीने दो दिन, तीन-तीन महिलाओं से संवाद करती हैं। |

| | |
|----|--|
| 5. | <p>राज्य स्तरीय FMD रोग प्रतिरोधक टीकाकरण अभियान</p> <ul style="list-style-type: none">■ राजस्थान में पशुओं को खुरपका-मुंहपका (FMD) रोग से बचाने के लिए राज्य स्तरीय FMD रोग प्रतिरोधक टीकाकरण अभियान का सातवाँ चरण 16 मार्च, 2026 से शुरू किया गया।■ शुरुआत : पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत द्वारा बगरू (जयपुर) स्थित रामदेव गौशाला से।■ अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी जिलों में 2 करोड़ 32 लाख गौ एवं भैंस वंशीय पशुओं के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।■ राजस्थान को खुरपका-मुंहपका रोग से मुक्त करने का लक्ष्य : वर्ष 2030 तक। |
| 6. | <p>46वाँ ऑल इंडिया रबी सेमिनार : भरतपुर</p> <ul style="list-style-type: none">■ भरतपुर में 14 - 15 मार्च, 2026 को 46वें ऑल इंडिया रबी सेमिनार (तेल, तिलहन, तेल व्यापार एवं उद्योग) का आयोजन किया गया।■ आयोजक : 'सेंट्रल ऑर्गनाइजेशन फॉर ऑयल इंडस्ट्री एंड ट्रेड' (COOIT) और 'मस्टर्ड ऑयल प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया' (MOPA) के संयुक्त तत्वावधान में।■ सरसों उत्पादन में राजस्थान का स्थान : प्रथम। |

SERVICES



राष्ट्रीय परिदृश्य



विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री, 2026



चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, नई दिल्ली में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री, 2026 में भारत ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।



Daily Current Affairs

Date : 17 March, 2026



मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन:** जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली।
- **आयोजन तिथि:** 11 से 13 मार्च, 2026
- **भागीदारी :** 8 देशों के 257 एथलीट।
- **परिणाम:**

| रैंक | देश | पदक |
|-----------------|----------------------------|--|
| 1 st | भारत | कुल 208 पदक (75 स्वर्ण, 69 रजत और 64 कांस्य पदक) |
| 2 nd | रूस | 35 पदक |
| 3 rd | बोस्निया और हर्जेगोविना | 3-3 पदक |

- **भारत के प्रमुख स्वर्ण पदक विजेता:** प्रीतिपाल (महिला 200 मीटर स्पर्धा), शुभम जुयाल (14.45m थ्रो), राकेश भट्ट (पुरुषों की 200m स्पर्धा), मनोज कुमार सबापति (पुरुषों की 400m स्पर्धा), पैरालंपिक सुमित अंतिल और प्रवीण कुमार।
- **Note-** नई दिल्ली में आयोजित यह चरण 13वें ग्रैंड प्रिक्स सीजन का दूसरा पड़ाव था, जो वर्ष 2026 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप और वर्ष 2028 लॉस एंजिल्स पैरालंपिक्स से पहले अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में महत्वपूर्ण स्थान हासिल करने का अवसर प्रदान करता है।

--:12:--



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

98वें अकादमी पुरस्कार, 2026 (98वें ऑस्कर, 2026)

चर्चा में क्यों?

- 15 मार्च, 2026 को लॉस एंजिल्स के डॉल्बी थिएटर में 98वाँ अकादमी पुरस्कार समारोह, 2026 आयोजित किया गया।



मुख्य बिन्दु:

- विजेता:** इस समारोह में वर्ष 2025 की सर्वश्रेष्ठ फिल्मों को 24 श्रेणियों में सम्मानित किया गया।

| श्रेणी | सर्वश्रेष्ठ/विवरण |
|---------------------|---|
| सर्वश्रेष्ठ फिल्म | वन बैटल आफ्टर अनादर (one Battle After Another) : इस फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ चित्र सहित कुल 6 पुरस्कार जीतकर सबसे बड़ी जीत दर्ज की। |
| सर्वश्रेष्ठ अभिनेता | माइकल बी. जॉर्डन (फिल्म : सिनर्स / sinners) |

Daily Current Affairs

Date : 17 March, 2026



| | |
|--------------------------------------|--|
| सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री | जेसी बकले (फिल्म : हेमनेट / Hamnet) |
| सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता | शॉन पेन (फिल्म : वन बेटल आफ्टर अनादर) (तीसरा ऑस्कर) |
| सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री | एमी मैडिगन (फिल्म : वेपन) |
| सर्वश्रेष्ठ निर्देशक | पॉल थॉमस एंडरसन (फिल्म : वन बेटल आफ्टर अनादर) |
| सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म | सेंटिमेंटल वैल्यू (नार्वे) |
| सर्वश्रेष्ठ लाइव एक्शन शॉर्ट फिल्म | हाई |
| सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफी पुरस्कार | ऑटम डुराल्ड अर्कियो: यह पुरस्कार जीतने वाली पहली महिला बन गई है। |

अन्य महत्त्वपूर्ण विजेता :

- 'सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री फीचर फिल्म : "मिस्टर नोबडी अगेंस्ट पुतिन" (सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र फीचर फिल्म)
- सर्वश्रेष्ठ मौलिक संगीत: "सिनर्स " (निर्देशक: लुडविंग गोरान्सन)
- सर्वश्रेष्ठ दृश्य प्रभाव वाली फिल्म: "अवतार: फायर एंड ऐश" (निर्देशक: जेम्स कैमरून)
- **NOTE:** अकादमी ने सर्वश्रेष्ठ कास्टिंग के लिए एक नई पुरस्कार श्रेणी शुरू की है।

भारतीय भागीदारी:

1. कांतारा: ए लीजेंड-चेप्टर 1
2. तन्वीद ग्रेट
3. महावतार नरसिम्हा
4. टूरिस्ट फैमिली
5. सिस्टर मिडनाइट

- **नोट:** भारतीय अभिनेत्री प्रियंका चौपड़ा जोनास ने ऑस्कर विजेता जेवियर बार्डेम के साथ मिलकर सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म का पुरस्कार प्रदान किया।

--:14:--



इतिहास एवं संस्कृति



बलिराजगढ़ उत्खनन



चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण ने बिहार के मधुबनी जिले में स्थित बलिराजगढ़ किले में नए रूप से वैज्ञानिक उत्खनन की मंजूरी दे दी गई है।



मुख्य बिन्दु:

बलिराजगढ़ दुर्ग:

- सर्वप्रथम पहचान:** वर्ष 1884 में जॉज अब्राहम ग्रियर्सन द्वारा।
- उत्खनन:** वर्ष 1962-63, 1972-73 और 2013-14 में।
- अवशेष:** संरचनात्मक अवशेष, NBPW मिट्टी के बर्तन व कलाकृतियाँ।
- यहाँ 5 गुना सांस्कृतिक अनुक्रम का पता लगाया गया, जिसमें उत्तरी-कालेपोलिश युक्त बर्तन (NBPW) चरण, शुंग, कुषाण, गुप्त और पाल काल आते हैं।
- किले का निर्माण:** लगभग 200 ईसा पूर्व में शुंग काल में निर्मित।
- यहाँ से प्राप्त 2300 वर्ष पुरानी लौह वस्तुओं से उन्नत धातु विज्ञान का संकेत मिलता है।
- संरक्षण:** वर्ष 1938 में राष्ट्रीय महत्त्व का केंद्रीय संरक्षित स्थल घोषित किया गया।

--:15:--

संगीत कलानिधि पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, कर्नाटक संगीत की जयंती कुमारेण को वर्ष 2026 के लिए 'संगीत कलानिधि' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

मुख्य बिन्दु:

- मद्रास संगीत अकादमी द्वारा प्रदान किया जाने वाला संगीत कलानिधि पुरस्कार कर्नाटक संगीत के क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मान माना जाता है। जिसे अक्सर "कर्नाटक संगीत का नोबेल पुरस्कार" कहा जाता है।

कर्नाटक संगीत:

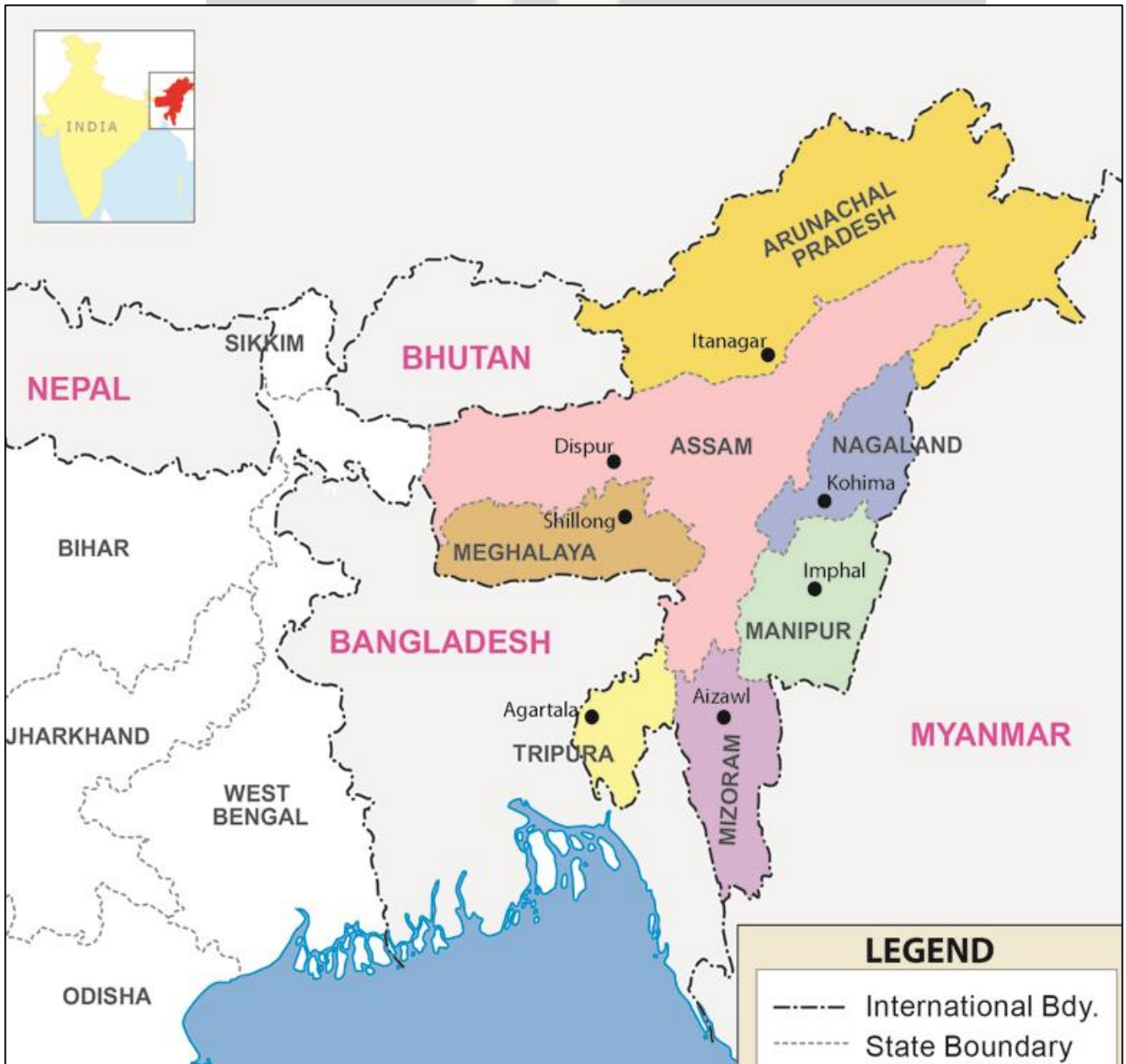
- यह दक्षिण भारत की शास्त्रीय संगीत परंपरा है। यह भारतीय शास्त्रीय संगीत की दो मुख्य प्रणालियों में से एक है, जबकि दूसरी हिंदुस्तानी संगीत है।
- यह मुख्य रूप से भक्ति प्रधान प्रकृति का है।
- त्यागराज, मुथुस्वामी दीक्षितार और श्यामा शास्त्री को कर्नाटक संगीत की त्रिमूर्ति के रूप में जाना जाता है।

भूगोल एवं भू-विज्ञान

नॉरवेस्टर

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, ओडिशा के मयूरभंज जिले में उत्तर-पश्चिमी और स्थानीय हवाओं नॉरवेस्टर के कारण व्यापक क्षति हुई।



मुख्य बिन्दु:

नॉरवेस्टर:

- **परिचय:** पूर्वी और उत्तर-पूर्वी भारत में संवहन द्वारा संचालित तीव्र गति के तूफान है। जो मौसम पूर्व (अप्रैल से जून) के मध्य आते हैं।
- **प्रभावित क्षेत्र:** पश्चिम बंगाल, झारखंड, असम, बिहार, ओडिशा, त्रिपुरा, बांग्लादेश, दक्षिणी नेपाल और भूटान।

स्थानीय नाम:

- **काल बैसाखी (पश्चिमी बंगाल):** बैसाख महीने में आने के कारण।
- **बाडोईसिला/बाडोली चीरहा (असम):** एक उग्र देवी के नाम पर।

उत्पत्ति:

- ग्रीष्म ऋतु में छोटानागपुर पठार का तापमान बढ़ने के कारण निम्नदाब क्षेत्र बनता है।
- इस निम्न दाब के कारण बंगाल की खाड़ी की हवाएँ अंदर आती है जो ऊपर उत्तर-पश्चिम से आने वाली शुष्क, ठंडी हवा के साथ परस्पर क्रिया करती है।
- इस क्रिया के परिणामस्वरूप वायुमंडलीय अस्थिरता, उच्च संवहनी ऊर्जा और पवन अपरूपण उत्पन्न होता है, जिससे क्यूमुलोनिम्बस बादलों का निर्माण होता है।

अन्य महत्वपूर्ण बिंदु:

भारत की विभिन्न स्थानीय हवाएँ:-

| स्थानीय हवा | प्रभावित क्षेत्र | अन्य विवरण |
|---------------------------|--|--|
| आम्र वर्षा | दक्षिण भारत (केरल, तटीय कर्नाटक और तमिलनाडु) | मानसून पूर्व की हवाएँ, आम पकने व वर्षा के आगमन का संकेत। |
| अस्तर (लू) | उत्तरी भारत (गंगा मैदान, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब) | ग्रीष्म ऋतु, इससे फसल उत्पादन में 10-15% की हानि होती है। |
| ब्लॉसम शावर्स/चेरी ब्लॉसम | दक्षिण भारत (केरल के आस-पास) | मानसून पूर्व की हवाएँ, कॉफी हेतु लाभदायक। |
| एलीफेंटा | मालाबार तट (केरल) | समुद्र से स्थल की ओर चलने वाली नम हवाएँ, मानसून की समाप्ति का संकेत। |
| आँधी | उत्तर-पश्चिमी और मध्य भारत | मानसून पूर्व की हवाएँ। |

समाजशास्त्र

जनजातीय कला महोत्सव, 2026

चर्चा में क्यों?

- 3 मार्च से 31 मार्च, 2026 तक त्रावणकोर पैलेस मैदान, नई दिल्ली में जनजातीय कला महोत्सव, 2026 का आयोजन किया गया।



मुख्य बिन्दु:

- आयोजक :** जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम है।
- सहयोग:** नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट (NGMA) और फिक्की।
- उद्देश्य:** जनजातीय कला को वैश्विक पहचान दिलाना और कलाकारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना।

महत्त्वपूर्ण चर्चित व प्रदर्शित जनजातीय कला :

- **जनजातीय कला:** जनजातीय कला में चित्रकारी, धातु शिल्प, लकड़ी की नक्काशी, वस्त्र, मिट्टी के बर्तन और शरीर कला जैसे रूपों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल हैं, जिनमें से कई ग्रामीण और वन क्षेत्रों में उत्पन्न होते हैं।
- सामान्य विषयों में प्रकृति, जानवर, पौराणिक कथाएँ, पैतृक आत्माएँ, कृषि जीवन और सामुदायिक उत्सव शामिल हैं।

वारली चित्रकला :



- महाराष्ट्र की एक लोक कला परंपरा वारली जनजाति द्वारा प्रचलित है।

- 10वीं शताब्दी ईस्वी या यहाँ तक कि नवपाषाण युग (25,00-3,000 ईसा पूर्व) से जुड़ी यह कला, प्रकृति के साथ गहरे संबंध को दर्शाती है।
- **प्रमुख कलाकार** : मधुकर रामभाऊ वाडू।
- वर्ष 2014 में GI टैग प्रदान किया गया।

राभा और तमांग मुखौटे:



- पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार निवासी शांति राम राभा द्वारा तैयार किया गया।
- राभा जनजाति मुख्य रूप से असम और उत्तरी बंगाल के कुछ हिस्सों में पाई जाती है।

--:21:--

गोंड चित्रकला:



- यह मध्य भारत (विशेषतः मध्यप्रदेश) की हारों की दीवारों और फर्श पर बनाई जाने वाली कला है। (GI टैग प्राप्त कला)।
- **संबंध:** गोड़ समुदाय

भील चित्रकला :



- भील समुदाय भारत के सबसे बड़े प्राचीन समूहों में से एक है।

योजनाएँ एवं नीतियाँ

समृद्ध ग्राम फिजीटल सर्विसेज पहल

चर्चा में क्यों?

- संचार मंत्रालय ने समृद्ध ग्राम फिजीटल सर्विसेज पहल के तहत 'समृद्धि केंद्र' का उद्घाटन किया।

मुख्य बिन्दु:

समृद्ध ग्राम फिजीटल सर्विसेज पहल

- **विभाग:** दूरसंचार विभाग (DoT) के अंतर्गत शुरू।
- यह पहल अभी पायलट चरण में है। इसे 3 गाँवों में लागू किया जाएगा।
- यह भारतनेट के तहत हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड का उपयोग करती है। इसका लक्ष्य डिजिटल कनेक्टिविटी को ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाओं के वितरण के लिए एक एकीकृत मंच में बदलना है।
- इसके तहत 'समृद्धि केंद्र' को एकल-खिड़की ग्रामीण सेवा केंद्र के रूप में परिकल्पित किया गया है। यह एक ही स्थान पर स्वास्थ्य-देखभाल सेवा, शिक्षा और ई-गवर्नेंस सहायता को एक साथ लाता है।

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

फुजैराह बंदरगाह

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में ईरान-अमेरिका-इजरायल युद्ध में UAE के फुजैराह बंदरगाह पर हमला किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- फुजैराह बंदरगाह:



Daily Current Affairs

Date : 17 March, 2026



- यह खाड़ी और व्यापक क्षेत्रों के लिए एक प्रमुख शिपिंग केंद्र है। फुजैराह बंदरगाह संयुक्त अरब अमीरात के पूर्वी तट पर एकमात्र बहुउद्देशीय समुद्री सुविधा है।
- यह रणनीतिक रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर केवल 70 समुद्री मील की दूरी पर स्थित है। यह बंदरगाह यूरोप और एशिया के बीच एक आवश्यक आर्थिक कड़ी प्रदान करता है। यह भारतीय उपमहाद्वीप और उत्तर-पूर्व अफ्रीका के बाजारों को स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए खोलता है।
- चर्चा में रहे अन्य बंदरगाह: जेबेल अली बंदरगाह (UAE), हाइफा बंदरगाह (इजरायल), अल-फाव बंदरगाह (इराक), आदि।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

--:25:--

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी ⚡

भारतीय क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली (IRNSS)

📢 चर्चा में क्यों?

- इसरो के IRNSS-1F पर लगी परमाणु घड़ी ने कार्य करना बंद किया। वर्ष 2016 में प्रक्षेपित IRNSS-1F, सात उपग्रहों वाली भारतीय क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली (IRNSS) का छठा नौवहन उपग्रह है।

📌 मुख्य बिन्दु:

- इसके पेलोड में अत्यधिक सटीक रूबिडियम परमाणु घड़ी शामिल थी, जो नौवहन सेवा प्रदान करने के लिए एक महत्त्वपूर्ण घटक है।

परमाणु घड़ी (Atomic Clock)

- परमाणु घड़ी एक अत्यधिक सटीक, अंतरिक्ष-अनुकूलित समय मापने वाला उपकरण है। यह घड़ी सीज़ियम, रूबिडियम या हाइड्रोजन जैसे तत्वों में परमाणुओं के ऊर्जा स्तरों के बीच होने वाले परिवर्तन की प्राकृतिक आवृत्ति (resonant frequency) की निगरानी करके समय मापती है।
- यह पारंपरिक घड़ी की तरह कार्य करती है, लेकिन इसमें समय का आधार परमाणुओं की विभिन्न ऊर्जा अवस्थाओं के बीच परिवर्तन के गुणों पर आधारित होता है।
- जब किसी परमाणु को बाहरी ऊर्जा स्रोत से उत्तेजित किया जाता है, तो वह उच्च ऊर्जा अवस्था में चला जाता है और बाद में निम्न ऊर्जा अवस्था में लौट आता है। इस परिवर्तन के दौरान परमाणु अत्यंत सटीक आवृत्ति पर ऊर्जा उत्सर्जित करता है, जिसका उपयोग समय मापने के लिए किया जाता है।

- कहा जाता है कि परमाणु घड़ियाँ हर 100 मिलियन वर्षों में केवल एक सेकंड आगे या पीछे होती हैं, जबकि क्वार्ट्ज-आधारित पारंपरिक घड़ियों में कुछ ही दिनों में एक सेकंड का अंतर आ जाता है।
- इनका जीवनकाल 10-15 वर्ष होता है, जो सामान्यतः एक उपग्रह के औसत परिचालन जीवन के बराबर है।

IRNSS -नेविगेशन विद इंडियन कांस्टेलेशन (NavIC)

- यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा विकसित की जा रही क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली है।
- **उपग्रह समूह:** इसमें 7 उपग्रह और जमीनी स्टेशनों का एक नेटवर्क शामिल है।
- तीन उपग्रह भू-स्थैतिक कक्षा (GEO) में और चार उपग्रह भू-तुल्यकालिक (GSO) कक्षाओं में हैं।
- इसे भारत के साथ-साथ इसकी सीमा से 1500 किलोमीटर तक के विस्तृत क्षेत्रों में उपयोगकर्ताओं को सटीक स्थिति की जानकारी प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है।

मुख्य सेवाएँ:

- **मानक स्थिति सेवा (Standard Position Service: SPS)**-नागरिक उपयोगकर्ताओं के लिए।
- **निषिद्ध सेवा (Restricted Service: RS)**-सामरिक उपयोगकर्ताओं के लिए।

गुजरात का पहला साउंडिंग रॉकेट परीक्षण

चर्चा में क्यों?

- 14 मार्च, 2026 को गुजरात ने धोलेरा से अपने पहले साउंडिंग रॉकेट का सफल परीक्षण किया।

मुख्य बिन्दु:

- **विकास व लॉन्च:** ओमस्पेस रॉकेट एंड एक्सप्लोरेशन प्राइवेट लिमिटेड (OSRE) स्टार्टअप द्वारा (अहमदाबाद)।

- **लॉन्च:** इस सिंगल-स्टेज सब-ऑर्बिटल साउंडिंग रॉकेट को बावलियारी, धोलेरा, गुजरात से लॉन्च किया गया।

- **परीक्षण:** यह रॉकेट लगभग 3km की ऊँचाई तक पहुँचा

और इसने प्रोपल्शन, एवियोनिक्स और एक ऑटोनोमस रिकवरी सिस्टम सहित कई प्रमुख प्रणालियों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

- **प्रक्षेपण का संचालन :** इस प्रक्षेपण का संचालन इन स्पेस के प्राधिकरण के तहत और गुजरात स्पेसटेक नीति, 2025-2030 के समर्थन से किया गया

- **पेलोड:** मौसम संबंधी डेटा एकत्र करने के लिए एक मिनी सेटेलाइट भी लॉन्च किया।



Daily Current Affairs

Date : 17 March, 2026



अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

साउंडिंग रॉकेट:

- **परिचय :** एक या दो चरण के ठोस प्रणोदक रॉकेट है, जिनका उपयोग ऊपरी वायुमंडलीय क्षेत्रों की जाँच और अंतरिक्ष अनुसंधान हेतु किया जाता है।
- यह लॉन्च व्हीकल और उपग्रहों में उपयोग के लिए नए घटकों या उप-प्रणालियों के प्रोटोटाइप का परीक्षण करने हेतु आसानी से वहनीय प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करते हैं।

इतिहास:

- वर्ष 1963 में थुंबा इक्वेटोरियल रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन (स्थापना) : 21 नवंबर, 1963) से पहले साउंडिंग रॉकेट (अमेरिकन नाइके - अपाचे) का प्रक्षेपण किया गया।
- वर्ष 1967 में भारत का स्वदेशी साउंडिंग रॉकेट रोहिणी RH-75 प्रोपित किया गया।
- साउंडिंग रॉकेट की श्रृंखला को रोहिणी कहा जाता है।

| साउंडिंग रॉकेट | RH-200 | RH-300 MKE-II | RH-560 MK-II |
|-------------------|---------------|---------------|--------------|
| पेलोड (किलोग्राम) | 10 kg | 60 kg | 100 kg |
| ऊँचाई (किलोमीटर) | 80 km | 160 km | 470 km |
| लक्ष्य | मौसम विज्ञान | एयरोनॉमी | एयरोनॉमी |
| लॉन्च पेड | थुंबा बालासोर | SDSC-शार | SDSC - शार |

--:29:--